messages received from the Lok Sabha, signed by the Secretary-General of the Lok Sabha:

(I)

"In accordance with the provisions of rule 96 of the Rules of Procedure and Conduct of Business in Lok Sabha, I am directed to enclose the Union Duties of Excise (Distribution) Amendment Bill, 1995, as passed by Lok Sabha at its sitting held on the 1st August, 1995.

2. The Speaker has certified that this Bill is a Money Bill within the meaning of article 110 of the Constitution of India."

(II)

"In accordance with the provisions of rule 96 of the Rules of Procedure and Conduct of Business in Lok Sabha, I am directed to enclose the Additional Duties of Excise (Goods of Special Importance) Amendment Bill, 1995, as passed by Lok Sabha at its sitting held on the 1st August, 1995.

2. The Speaker has certified that this Bill is a Money Bill within the meaning of article 110 of the Constitution of India."

Madam, I lay a copy of each of the Bills on the Table.

Re: VOHRA COMMITTEE REPORT

Dr. MURLI MANOHAR JOSHI (Uttar Pradesh): Madam, he has referred to the report ...*(Interruptions)*...

विपक्ष के नेता (श्री सिकन्दर बख्त): एनेक्सचर रिपोर्ट का हिस्सा है एनेक्सचर आयेगा या नहीं? **(व्यवधान)**

†[اینتاوردھی دل "شری سکندر بخت": اینیکچر رپورٹ کا حصہ ہے۔ اینیکچر آئیگا یا نہیں ... ممد اخلت ...]

गृह मंत्री (श्री एस०बी० चव्हाण): मैं क्लेरीफिकेशन दे रहा हूं। क्लेरीफिकेशन यह है कि इसकी तीन कापीज उन्होंने सब्मिट की थी...**(व्यवधान)**

SHRI V. NARAYANASAMY (Pondicherry): Let him clarify it. ...*(Interruptions)*

श्री सत्य प्रकाश मालवीय (उत्तर प्रदेश): इस रिपोर्ट को पौने दो साल हो गया। मेरा सब्मिशन है .....**(व्यवधान)**....

उपसभापति: आप बैठिए। जस्ट ए सेंकड। रिपोर्ट सरकार को सब्मिट की गई थी या आपको की गई थी। रिपोर्ट सरकार को सब्मिट की गई थी इसलिए आप उनसे सवाल पूछ रहे हैं। अगर आपको सब्मिट की गई है तो आप जवाब दे दीजिए। रिपोर्ट आपको सब्मिट नहीं की गई थी, सरकार को सब्मिट की गई है : इसलिए इस मामले में सरकार की जवाबदेही है और वह जवाब दे रहे हैं। उनको बोलने दीजिए। ...**(व्यवधान)**...वह जवाब दे रहे हैं। आप उनकी बात सुन लीजिए।

SHRI S.B. CHAVAN: On the point raised by the hon. Leader of the Opposition, I was just trying to explain this. There are three copies available. One copy was submitted to the Prime Minister. Another was given to me. The third was with the Home Secretary. In no copy is there any annexure. Still, since the hon. Leader of the Opposition is raising this issue, I will recheck if there is an annexure in any of the copies. As far as my information goes, there is no annexure.

SHRI SIKANDER BAKHT: Very well. All right. .... *(Interruptions)*

THE DEPUTY CHAIRMAN: I am not allowing it. Nothing is going on record.

SHRI SATYA PRAKASH MALAVIYA: *

---

†[ ]Transliteration in Arabic Script

*Not recorded.

प्रो० विजय कुमार मल्होत्रा (दिल्ली): यह 100 पेज की रिपोर्ट थी। ..(व्यवधान)...

श्री सत्य प्रकाश मालवीय: माननीय उपसभापति जी, मेरा सब्मिशन इस रिपोर्ट के बारे में यह है कि ...

श्री शंकर दयाल सिंह (बिहार): उपसभापति जी, इस रिपोर्ट की अंग्रेजी प्रति मिल गई है लेकिन हिन्दी में यह रिपोर्ट नहीं है। ...(व्यवधान)...

उपसभापति: आप बैठिए।

श्री शंकर दयाल सिंह: मेरी बात सुनिए। यह कहा गया कि रिपोर्ट हिन्दी में में लिखी जा रही है। हम लोग दो-तीन दिनों से जब भी काउंटर पर जा रहे हैं रिपोर्ट लेने के लिए तो बराबर कहा जा रहा है कि एक घंटे में आएगी। लेकिन एक घंटा अभी तक नहीं आया। मैं यह कहना चाहता हूं कि संविधान में जब हिन्दी में आफिशियल लैंग्वेज का दर्जा दिया गया है, तो पहले यह रिपोर्ट हिन्दी में आनी चाहिए थी।

उपसभापति: आप बैठिए। आप बैठिए। ...(व्यवधान)...I am not allowing it. I am not allowing anything.

श्री शंकर दयाल सिंह: आप परम्परा यह बनाइए कि जब आफिशियल लैंग्वेज ऐक्ट में यह है तो पहले रिपोर्ट हिन्दी में आनी चाहिए और फिर अंग्रेजी में आनी चाहिए।

श्री सत्य प्रकाश मालवीय: जो गृह मंत्री जी ने कहा कि इसकी एक कापी प्रधानमंत्री जी को दी गई है ...(व्यवधान)...आप सुन लें।

उपसभापति: जस्ट ए सेकंड प्लीज!

शंकर दयाल सिंह जी, हमें मालूम है कि आपकी मुहब्बत हिन्दी से कितनी है। मगर दूसरों को भी कम नहीं है। यह सवाल होम मिनिस्टर साहब ने, शायद उस वक्त आप हाउस में मौजूद नहीं थे, होम मिनिस्टर साहब ने हाउस के सामने यह बात कही थी कि जब तक हिन्दी की कापी मेरे हाथ में नहीं होगी तब तक मैं यह रिपोर्ट सब्मिट नहीं करूंगा। मगर क्योंकि स्पीकर साहब ने यह आश्वासन हाउस को दिया था कि कल की रिपोर्ट हाउस में रखी जाएगी, इसलिए होम मिनिस्टर साहब ने, क्योंकि दोनों हाउस में एक ही जैसा काम होना चाहिए, इसलिए उन्होंने अंग्रेजी में यह रिपोर्ट रखी और यह कहकर रखी कि जितनी जल्दी हो सकेगा मैं हिन्दी की रिपोर्ट लेकर आऊंगा। यह छोटी सी बात है और इसके ऊपर होम मिनिस्टर साहब पहले ही बयान दे चुके हैं। इसलिए इसको हिन्दी और अंग्रेजी का बड़ा मसला बनाकर मेहरबानी करके दीवार पैदा करने की कोशिश न करें तो बेहतर होगा। .....(व्यवधान).....

श्री सत्य प्रकाश मालवीय: माननीय उपसभापति जी, मैं आपका ध्यान इस ओर दिलाना चाहूंगा कि अभी गृह मंत्री जी ने कहा ....(व्यवधान)....आप मेरी बात सुन लीजिए। अभी गृह मंत्री जी ने कहा कि इसकी तीन कापियां तैयार की गई थी। ...(व्यवधान)....

THE DEPUTY CHAIRMAN: All right. That matter is closed. ...*(Interruptions)*

SHRIMATI JAYANTHI NATARAJAN: *Hindi fanaticism in the House must stop.*

श्री सत्य प्रकाश मालवीय: माननीय उपसभापति जी मेरा सब्मिशन है कि ....

उपसभापति: मालवीय जी, जब रिपोर्ट डिसक्शन के लिए आएगी तब आप से सवाल पूछ लीजिएगा।

श्री सत्य प्रकाश मालवीय: गृह मंत्री जी ने कहा कि रिपोर्ट की तीन कापियां तैयार की गई थी और एक कापी प्रधानमंत्री जी को दी गई थी। लेकिन इस रिपोर्ट में व्होरा साहब ने कहा है कि:

> "I have prepared only three copies of the report. One copy each is being submitted to the Minister of State (Internal Security) and the Home Minister, and the third copy is being retained by me."

प्रधानमंत्री को कापी जा रही है इसका कोई जिक्र इसमें नहीं है। व्होरा साहब ने खुद इसमें कहा है। ....(व्यवधान)....

उपसभापति: व्होरा साहब ने कहा है इस पर न जाकर जो होम मिनिस्टर ने कहा है टेक इट एज फाइनल। Take it as final.

SHRI S. JAIPAL REDDY (Andhra Pradesh): Madam, I am on a point of order.

THE DEPUTY CHAIRMAN: There is no discussion. What is it that you are pointing out as a point of order?

SHRI S. JAIPAL REDDY: Madam, I have gone through the Report. The Report refers to the reports obtained from the Intelligence Bureau, RAW and many other agencies. This Report is based on those Reports. Those Reports must, therefore, be considered an integral part of this Report. The Reports of I.B. and other agencies which form the basis of the Report may also be made available to the House. Otherwise, this Report is totally inadequate. That is the point I am trying to make.

SHRI S.B. CHAVAN: Madam, the Government cannot possibly submit the basis on which the Report has been prepared by the Vohra Committee. It is an Official Report, which is not normally placed. In fact, it was a secret document only for internal consumption. It was not to be placed on the Table of the House, but ultimately since a number of things have been stated in the Press and also by some of the hon. Members, we thought it necessary that though it was a top secret document, we removed the same and have placed on the Table of the House. I cannot place any other document on the Table of the House. (*Interruptions*)

THE DEPUTY CHAIRMAN: This matter is closed now.

SHRI S. JAIPAL REDDY: If these Reports are not placed, the whole purpose will be defeated. (*Interruptions*)

श्री चतुरानन मिश्र (बिहार): महोदया..

उपसभापतिः जब रिपोर्ट पर डिसकशन होगा, आपने डिसकशन मांगा है, उस वक्त बात करियेगा। अभी मैं अलाऊ नहीं करती। अभी गोपालसामी जी से बात करनी है।

श्री चतुरानन मिश्रः हम लोग उठना भी नहीं चाहते थे। चूंकि अभी गृह मंत्री जी ने कहा..(व्यवधान)

THE DEPUTY CHAIRMAN: We are not discussing anything about the Report.

श्री चतुरानन मिश्रः हम डिसकशन नहीं चाहते हैं। हम यह चाहते हैं रिपोर्ट में पेज 7 और प्वाइंट 4 इज मिसिंग..

SHRI DINESHBHAI TRIVEDI (Gujarat): Madam, when will the discussion on it take place?

THE DEPUTY CHAIRMAN: All these things you find out from the Chairman and the Home Minister.

SHRI DINESHBHAI TRIVEDI: I hope that the discussion will not take place in the meanwhile. (*Interruptions*)

THE DEPUTY CHAIRMAN: No, it would not take place till 12'Oclock tomorrow.

SHRI INDER KUMAR GUJRAL (Bihar): I would like to take one miunute.

THE DEPUTY CHAIRMAN: Gujral Ji, other Members will say their names have been cleared by the Chair. Then what is the sanctity of clearing the names from the Chairman? It will be a free-for-all. Now, let us start with Mr. V. Gopalsamy.

Re. CAUVERY WATERS DISPUTE

SHRI V. GOPALSAMY (Tami Nadu): Madam, I draw the attention o the Government and of the House to the terrific resentment and concern caused in the minds of the people of Tamil Nadu, particularly the farmers of Cauvery Delta, over the statement of Mr. V.C. Shukla, the Minister of Water Resources, regarding the Cauvery Waters Dispute. The farmers in tamil Nadu are very much agitated because the water from the Karnataka Reservoir has not been released. It has resulted in a terrific loss to the crop cultivation in the Cauvery Delta. When it was pointed out to Mr. V.C. Shukla, he stated that it is a State subject and that he could not do anything. The Constitution is very clear in the Seventh Schedule. Item No. 17 in the State List: "Water, that is to say, water supplies, irrigation and canals,....are subject to the provisions of Entry 56 of List I i.e. the Union List. it is very clear regulation and development of